आज़ादी की गर्मियाँ
लेखन: डैबरा वाइल्स
चित्र: जैरोम लगारिग
भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा
Ezra Jack Keats
BOOK AWARD
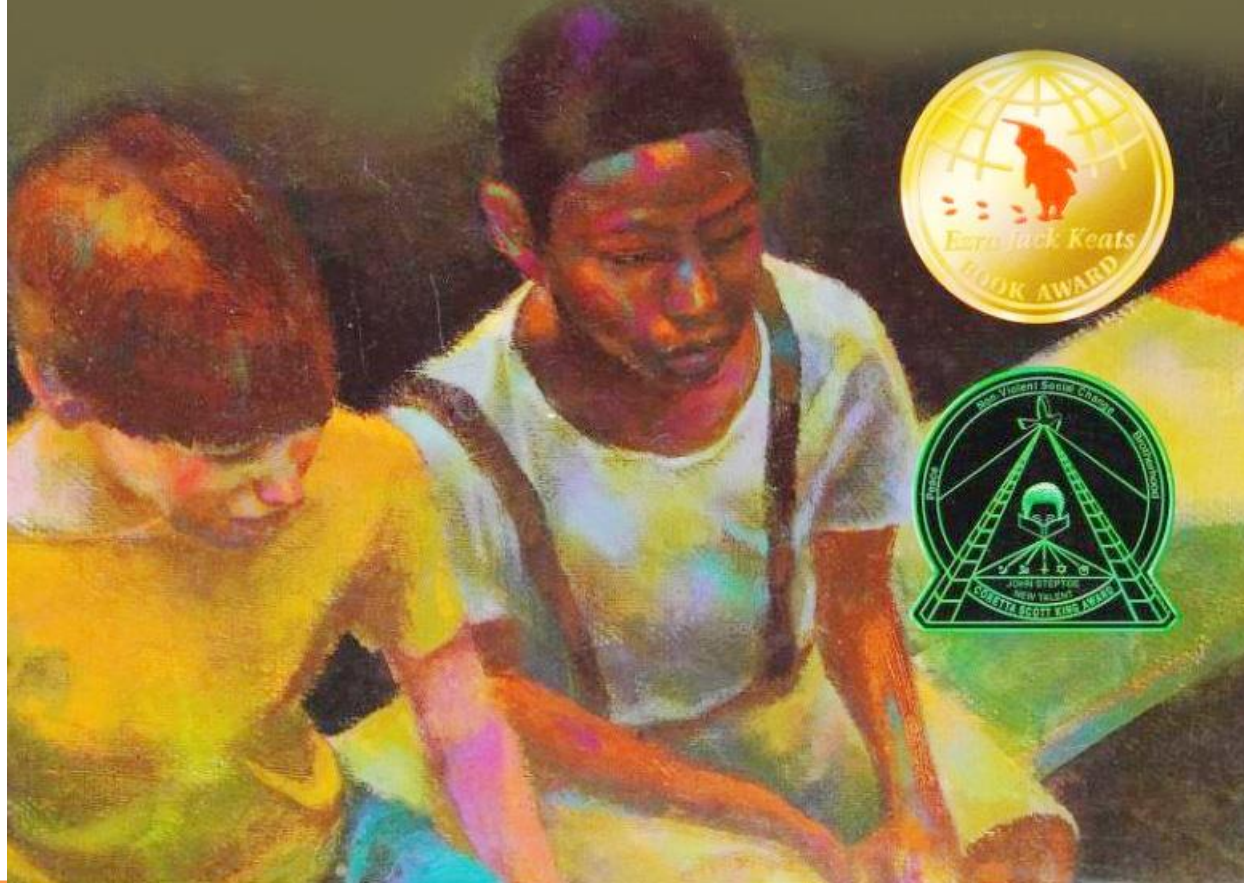
पुस्तक के बारे में

1960 के दशक की शुरुआत में अमरीका के दक्षिणी राज्यों में काले अमरीकी लोग गोरों के लिए लगे सार्वजनिक नलकों से पानी नहीं पी सकते थे, उनके स्कूलों में पढ़ नहीं सकते थे और सार्वजनिक स्थानों का लुत्फ़ नहीं उठा सकते थे। तब 1964 में नागरिक अधिकार कानून पारित हुआ, जो कहता था - "सभी लोगों को सार्वजनिक स्थानों का...आनन्द उठाने का...पूरा व समान अधिकार है। फिर चाहे वे किसी भी नस्ल, रंग, धर्म या राष्ट्रीय मूल के क्यों न हों।"

मैं मोबिल, अलाबामा में पैदा हुई एक गोरी बच्ची थी और गर्मियों में अपने चहेते रिश्तेदारों के पास मिसिसिपि जाती थी। जब नागरिक अधिकार कानून लागू हुआ, कस्बे का तरण-ताल बन्द हो गया। स्केटिंग रिंक और आइसक्रीम की दुकान भी। कालों को उनका जायज़ अधिकार और आज़ादी देने के बदले दक्षिण के कई कारोबारों ने इसके विरोध में अपने धंधे ही बन्द कर डाले। कुछ ने तो हमेशा के लिए।

1964 की गर्मियों में नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने मिसिसिपि में एक 'फ्रीडम समर' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें काले अमरीकियों का मतदाताओं के रूप में पंजीकरण किया जा रहा था। यह नस्ली हिंसा और बदलाव का समय था। इन्हीं गर्मियों में मैंने पहली बार इस बात पर ग़ौर किया कि दुकानों में अन्दर जाने के लिए काले अमरीकियों को काले दरवाज़ों से घुसना पड़ता था और उन्हें सेवा पाने के लिए तब तक इन्तज़ार करना पड़ता था जब तक पहले गोरों की मदद न कर दी जाए। उनके साथ बुरा बरताव भी किया जाता था। यह सब सिर्फ़ उनकी चमड़ी के रंग के कारण, फिर चाहे कानून कुछ भी क्यों न कहता हो! मुझे यह अहसास भी हुआ कि किसी गोरे का काला दोस्त होना या काले का गोरा, ख़तरनाक था। मैं अपने दिमाग से इन बातों और छवियों को निकाल ही नहीं पाती और सोचती रहती कि एक काला बच्चा होना कैसा होता होगा। मैं स्थितियों को बदलने की बात सोचती, पर साथ ही यह भी कि कोई बच्चा, चाहे वह काला हो या गोरा, अपने स्तर पर आख़िर क्या कर सकता है?

यह कहानी उस समय की मेरी भावनाओं से उपजी है। कहानी है तो काल्पनिक पर असली घटनाओं पर आधारित है।

जॉन हैनरी वॉडल मेरा सबसे पक्का दोस्त है।

उसकी माँ मेरी माँ के लिए काम करती है।

उसका नाम है एनी मे।

हर सुबह आठ बजे एनी मे गाँव से आने वाली बस से उतरती है।

और ऊँची पहाड़ी चढ़ मेरे घर तक पहुँचती है।

अगर मौसम गर्मियों का हो तो जॉन हैनरी अपनी माँ के कदम से कदम मिलाता उसके पीछे-पीछे आता है।

हमें एनी मे की मदद करना पसन्द है।

हम सेम की फलियों के रेशे उतारते हैं। हम सामने वाले आँगन को बुहारते हैं।

हम बिल्लियों को घर के अन्दर घुसाते हैं और तब उन्हें बाहर खदेड़ते हैं, जब तक एनी में खीज कर न कहे -

''भागो! बहुत हुआ, अब तुम दोनों दफ़ा हो जाओ, बाहर खेलो!''

हम अपने कंचों से तब तक खेलते हैं जब तक हम गर्मी से पूरी तरह पस्त पर अन्दर से बिलकुल चेतन नहीं हो जाते।

तब हम चीखते हैं, ''जो पीछे रहे वह सड़ा अण्डा है!''

और सीधे फिडलर्स् क्रीक (संकरी खाड़ी) की ओर दौड़ लगाते हैं।

जॉन हैनरी मेरी जानकारी में सबसे उम्दा तैराक है।

वह कैटफिश की तरह रेंग सकता है और दलदली दानव की तरह बुलबुले छोड़ता है। पर वह मेरे साथ कस्बे के तरण ताल में नहीं तैरता।

वहाँ तैरने की उसे इजाज़त नहीं है।

सो हम संकरी खाड़ी पर पत्थरों और लकड़ियों से बांध बना लेते हैं ताकि हम तैर सकें।

और तब चीखते हुए, नंग-धडंग ही, रोके हुए पानी में छलांग लगाते हैं।

जॉन हैनरी की चाम का रंग जले हुए मक्खन-सा भूरा है।

उसके शरीर की महक अच्छी बरसात के बाद देवदार की भीगी पत्तियों से आने वाली खुशबू-सी है।

मेरी चमड़ी का रंग ज़र्द कीट-पतंगों-सा है, जो रात को आंगन में जल रही बत्तियों के पास नाचा करते हैं।

जॉन हैनरी कहता है कि मुझमें से ताज़ा धुले मोज़ों-सी बू आती है।

"इसका मतलब है जंग!" मैं चीखता हूँ

हम पानी को इस कदर उछालते हैं कि वह सफ़ेद तूफ़ान में तब्दील हो जाता है और इतना हंसते हैं कि हमारे पेट दुखने लगते हैं।

तब हम पीठ के बल तैरते हैं और व्हेल मछली की तरह फौव्वारे छोड़ते हैं।

"मैं बड़ा होकर आग बुझाने वाला बनूंगा," मैं कहता हूँ।

"मैं भी," जॉन हैनरी कहता है।
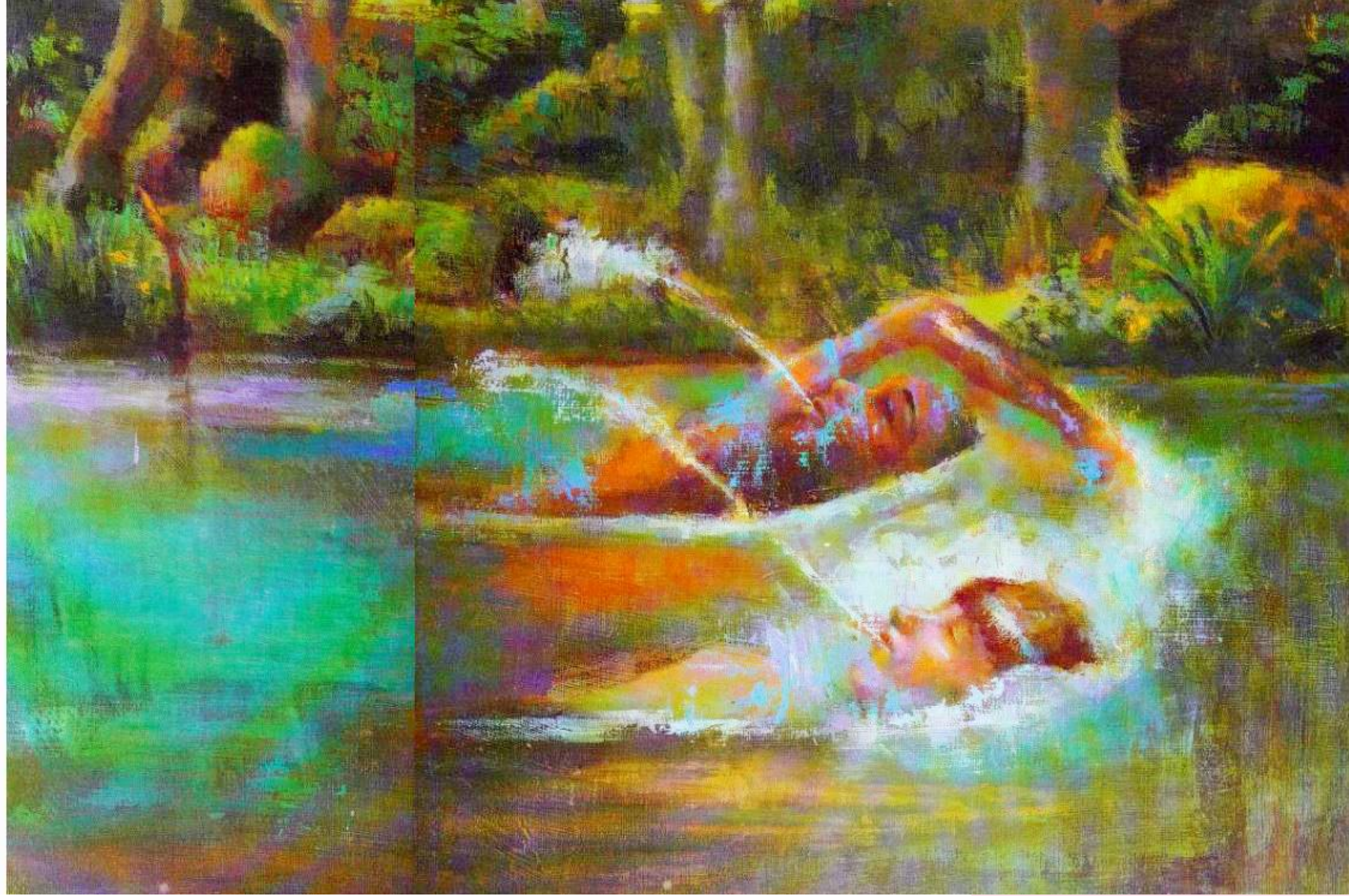
मेरी जेब में दो निकल (पाँच सेंट के सिक्के) हैं। सो हम अपने कपड़े पहनते हैं और कस्बे की ओर चल देते हैं।

जॉन हैनरी मिस्टर मेसन की किराना दुकान में सामने के दरवाज़े से मेरे साथ अन्दर नहीं घुसता।

उसे इसकी इजाज़त नहीं है।

''कैसे हो नन्हे जो?'' मिस्टर मेसन पूछते हैं। तब वे यह कहते हुए आँख मारते हैं -

''ये तुम अकेले ही खा लोगे?''

मेरे दिल में ज़ोर से धुकपुकी मचती है।

''नहीं, एक मेरे दोस्त के लिए है,'' इतना कह मैं दरवाज़े से बाहर भागता हूँ।

''हाँ जी, बाहर काफ़ी गर्मी है!'' मिस्टर मेसन पीछे से कहते हैं।

''मुझे आइस पॉप (पानी वाली आइसक्रीम) बहुत ही अच्छी लगती है!'' जॉन हैनरी कहता है।

''मुझे भी,'' मैं कहता हूँ।

एनी मे हर शाम मेरे परिवार के लिए रात का खाना बनाती है।

वह मक्की के आटे में क्रीम मिलाती है और मक्की के बिस्किट (डबल रोटी) बनाती है।

डैडी अपनी बर्फ़ डली ठण्डी चाय को हिलाते हैं और कहते हैं,

"कल से कस्बे का तरण ताल सबके लिए खुल जाएगा, चाहे वह इन्सान किसी भी रंग का क्यों न हो।"

"यही नया कानून है," माँ मुझे समझाती है।

वह मेरी प्लेट में मटर परोसती है और कहती है, "अब सब ऐसा ही होगा - सब कोई साथ-साथ। खाने की जगहें, पेशाबघर, पीने के पानी के नलके भी।"

मैं अपनी कुर्सी में एक कीड़े-सा छटपटाता हूँ।

"मुझे कुछ देर की इजाज़त दें," मैं ज़ोर से कह रसोई की ओर दौड़ता हूँ, ताकि जॉन हैनरी को बता सकूँ।

“मैं कस्बे के ताल में तैरूंगा,” वह चीखता है। “क्या वह बहुत गहरा है?”

“बहुत ही गहरा,” मैं कहता हूँ। “और पानी बिलकुल साफ़ है। तुम कूद कर उसके तले तक जाओ और आँखें खोलो तो भी देख सकोगे।”

“कल अपन वहाँ सबसे पहले पहुँचेंगे,” जॉन हैनरी जोश से भर कहता है।

“मैं अपना भाग्यशाली निकल लेता आऊँगा और अपन उसे निकालने के लिए कूदेंगे।”

अगले दिन जैसे ही सूरज आसमान में झांकने लगता है, मुझे मेरा पक्का दोस्त जॉन हैनरी नज़र आता है।

वह बेतहाशा भागता-दौड़ता मेरे पास आता है।

"चलो चलें!" वह चीखता है। "मैं अपना निकल लेता आया हूँ," और मैं भी उसके साथ दौड़ने लगता हूँ।

हम कस्बे के तरण ताल तक दौड़ते हुए जाते हैं।

हम आख़िरी पहाड़ी पर एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में होड़ लगाते हैं...और तब ठिठक कर रुक जाते हैं।

काउंटी की कई कचरा गाड़ियाँ वहाँ खड़ी हैं।

वे ताल तक जाती हैं और पलट कर लौटती रहती हैं।

मज़दूर धुआंता डामर उस ताल में उंडेल रहे हैं, वहाँ जहाँ पहले चमचमाता साफ़ पानी हुआ करता था।

उन मज़दूरों में जॉन हैनरी का बड़ा भाई विल रॉजर्स भी है।

हम उसे आवाज़ लगाने को होते हैं। "क्या हुआ?" पूछना चाहते हैं।

पर वह हमें पहले ही देख लेता है और सड़क की ओर इशारा करता है। इसका मतलब है "वापस घर लौट जाओ।"

पर हमारे पैर तो मानो धरती से चिपक गए हैं, हम हिल ही नहीं पाते।

सो हम ऊँची-लम्बी खरपतवार के पीछे दुबक जाते है और पूरी सुबह भर देखते रहते हैं। जब तक ताल गरम कोलतार से भर नहीं जाता।

शश्श्श्श्श्शा! धुंए से भरी भाप हवा में उठती है।

मज़दूर अपने जूतों पर लकड़ी के फट्टे बांधते हैं और उस काली सतह को रौंद कर एकसार करते हैं।

विल रॉजर्स एक खाली ट्रक के पीछे अपना फावड़ा धरता है और अपने साथी मज़दूरों के साथ ट्रक में चढ़ जाता है।

उसका चेहरा तूफ़ानी बादल-सा दिख रहा है।

मैं जान जाता हूँ कि इस काम ने उसे बेहद नाराज़ किया है।

"चलो!" उनका बॉस चिल्लाता है और ट्रक गड़गड़ाता हुआ सड़क पर बढ़ने लगता है।

अब चारों ओर इतनी शान्ति पसर जाती है कि आप हवा को घास में फुसफुसाते सुन सकते हैं।

हम दोनों ताल में कूदने वाले बोर्ड पर जा बैठते हैं,

और सीढ़ियों के रुपहले ऊपरी हिस्से को देखते हैं जो कोलतार के बाहर निकला हुआ है।

मेरा दिल छाती में ज़ोरों से धड़क रहा है।

जॉन हैनरी की आवाज़ लरजती है।

"गोरे लोग कालों को अपने ताल में तैरने नहीं देना चाहते।"

"तुम ग़लत हो जॉन हैनरी," मैं कहता हूँ, पर जानता हूँ कि वह सही है।

"चलो अपन फिडलर्स् क्रीक चलते हैं," मैं सुझाता हूँ। "मैं तो वैसे भी इस ताल में तैरना नहीं चाहता था।

जॉन हैनरी की आँखों में गुस्से के आँसू भर आए हैं।

“मैं तो चाहता था,” वह कहता है। “मैं इस ताल में तैरना चाहता था। मैं वह सब करना चाहता हूँ जो तुम कर सकते हो।”

मैं क्या कहूँ? मुझे कुछ सूझता ही नहीं है।

मेरे दिमाग़ में नए खयाल कुलबुलाते हैं।

मैं जॉन हैनरी के साथ डेयरी डिप (आइसक्रीम की दुकान) में जाना चाहता हूँ, और उसके साथ रूट बीयर पर तिरती आइसक्रीम खाना चाहता हूँ।

मैं चाहता हूँ कि हम फिल्म देखने जाएं, पॉप-कॉर्न ख़रीदें और उसे खाते-खाते साथ-साथ फिल्म देखें।

मैं कस्बे को जॉन हैनरी की आँखों से देखना चाहता हूँ।

हम मिस्टर मेसन की दुकान के सामने रुकते हैं।

मैं अपने हाथ अपनी जेबों में घुसेड़ता हूँ,

और मेरा दिमाग उन लफ़्ज़ों को तलाशता है जिनके सहारे मैं अपने नए ख़याल जता सकूँ।

मेरी उंगलियाँ दो निकल सिक्कों को भींचती हैं।

"आइस-पॉप चाहिए?"

जॉन हैनरी अपनी आँखें पोंछता है और लम्बी साँस खींचता है।

"पर अपनी वाली मैं खुद ही चुनुंगा।"

मैं थूक निगलता हूँ, और मेरा दिल हाँ कहता है।

"तो चलो यही करते हैं," मैं कहता हूँ।

मैं अपना एक निकल जॉन हैनरी को देता हूँ।

वह सिर हिला मना करता है, "मेरा पास अपना सिक्का है।"

हम एक-दूसरे को देखते हैं।

तब हम दोनों सामने के दरवाज़े से साथ-साथ दुकान में घुसते हैं।

डैबरा वाइल्स अलाबामा में पैदा हुईं और एक ऐसे वायुसेना परिवार में पली-बढ़ीं, जिसका तबादला होता रहता था। पर मिसिसिपि में बसे अपने विस्तृत परिवार में भी उनकी जड़ें गहराई से जमी हुई हैं। वे आज भी फ्रैडरिक, मेरीलैण्ड के अपने घर से 'नीचे दक्षिण' जाती रहती हैं। वे स्वतंत्र लेखन करती हैं और कार्यशालाओं में लेखन और मौखिक इतिहास पढ़ाती हैं। वे बच्चों को बताती हैं कि इतिहास दरअसल जीवनी ही होता है और हरेक इन्सान की कहानी महत्वपूर्ण होती है। यह उनकी पहली पुस्तक है।

जैरोम लगारिग एक कलाकारों के परिवार में जन्मे और बड़े हुए। उन्होंने निकी ग्राइम्स की विख्यात क़िताब *माय मैन ब्लू* को चित्रित किया है। उनके कार्य का उल्लेख *न्यू यॉर्क टाइम्स् बुक रिव्यू* किया गया है। वर्तमान में वे पार्सन्स स्कूल ऑफ डिज़ाइन में चित्रकला सिखाते हैं। वे ब्रुकलिन, न्यू यॉर्क में रहते हैं।

जॉन हैनरी मेरी जानकारी में सबसे उम्दा तैराक है।
वह कैटफिश की तरह रेंग सकता है।
दलदली दानव की तरह बुलबुले छोड़ता है।
पर वह कस्बे के तरण ताल में मेरे साथ नहीं तैरता।
उसे इजाज़त नहीं है।

जो और जॉन हैनरी में काफ़ी समानताएं हैं। दोनों को कंचे खेलना पसन्द है, दोनों बड़े होकर दमकलकर्मी बनना चाहते हैं, और दोनों को तैरना भी पसन्द है। पर एक बात में दोनों में अन्तर है। जो गोरा है और जॉन हैनरी काला। 1964 के दक्षिण में जॉन हैनरी वह सब नहीं कर सकता जो उसका पक्का दोस्त जो कर सकता है। तब एक नया कानून आता है जो इस भेदभाव पर पाबन्दी लगा देता है और कस्बे का ताल सबके लिए खोल दिया जाता है। जो और जॉन हैनरी बड़े ही उत्साहित हैं। वे एक-दूसरे के साथ होड़ करते दौड़ते हुए ताल तक पहुँचते हैं...पर पाते हैं कि लोगों का दिल और सोच बदलने के लिए सिर्फ़ कानून नहीं उससे कुछ ज़्यादा की ज़रूरत होती है।